

# ड्राफ्ट ईआईए रिपोर्ट का कार्यकारी सारांश

## प्रस्तावित नदी तल रेत खनन परियोजना के लिए पर्यावरणीय मंजूरी (गौण खनिज)

क्र.	आवेदित भूमि का पता	भूमि खसरा	आवेदित पट्टे का क्षेत्रफल (हेक्टेयर)	उत्पादन क्षमता (घन मीटर/वर्ष)	कुल क्लस्टर क्षेत्र हेक्टेयर
1	ग्राम-चरौदा, तहसील-पलारी जिला बलौदाबाजार-भाटापारा	1290 (भाग)	20.00	3,60,000	24.99 हेक्टेयर
2	ग्राम-बल्दाकछार, तहसील-कसडोल, जिला - बलौदाबाजार-भाटापारा	230 (भाग)	4.99	89,820	

### आवेदक का नाम और पता

क्र.	आवेदक का नाम	पता
1	पंकज कुमार चंद्राकर	शहर-वार्ड नं.1, कलई चौक, नई मंडी, आरंग, तहसील- आरंग, जिला-रायपुर (छ.ग.) पिनकोड-493441
2.	तरुण कुमार गिलहरे	शहर-सतनामी पारा, बिरकोनी वार्ड नं. 3, बिरकोनी तहसील- महासमुन्द, जिला-महासमुन्द (छ.ग.) पिनकोड-493445

### टर्म्स ऑफ रिफरेंस

क्र.	आवेदक का नाम	संदर्भ की शर्तों की संख्या और तारीख
1	पंकज कुमार चंद्राकर	पत्र क्रमांक. 180/एस.ई.ए.सी.सी.जी./रेत खदान /2723 नवा रायपुर अटल नगर, दिनांक 09/04/2024
2	तरुण कुमार गिलहरे	पत्र क्रमांक - TO23B0107CG5298548N, दिनांक 25/10/2024. File no.- OL/TOR/MIN/BALODA_BAZAR/2899.

### पर्यावरण सलाहकार

मेसर्स अल्ट्रा टेक

पर्यावरण प्रयोगशाला और परामर्श

एनएबीईटी मान्यता प्राप्त ईआईए परामर्श संगठन

NABET प्रत्यायन संख्या- NABET/EIA/2023/RA0194-

अक्टूबर 03, 2024

ग्राम - चरौदा और बल्दाकछार, तहसील पलारी और कसडोल, जिला - बलौदाबाजार - भाटापारा, राज्य - छत्तीसगढ़ में महानदी नदी तल पर चरौदा और बल्दाकछार रेत खदान के लिए ड्राफ्ट ईआईए रिपोर्ट का कार्यकारी सारांश - पंकज कुमार चंद्राकर और तरुण कुमार गिलहरे।

## विषयसूची

1.0 परिचय.....	3
2.0 परियोजना विवरण.....	7
3.0 पर्यावरण का विवरण.....	10
4.0 प्रत्याशित पर्यावरण प्रभाव और पर्यावरण प्रबंधन योजना.....	14
5.0 पर्यावरण निगरानी कार्यक्रम .....	17
6.0 जोखिम मूल्यांकन.....	17
7.0 आपातकालीन प्रतिक्रिया और आपदा प्रबंधन योजना .....	17
8.0 परियोजना लाभ .....	18
9.0 समाजिक विकास के लिए बजट.....	18
10.0 पर्यावरण प्रबंधन योजना (ईएमपी).....	18
11.0 निष्कर्ष.....	19

## तालिकाओं की सूची

तालिका E-1: परियोजना स्थल के आसपास पर्यावरण सेटिंग .....	4
तालिका E-2: प्रस्तावित परियोजना की मुख्य विशेषताएं.....	7
तालिका E-3: पानी की आवश्यकता का विवरण.....	7
तालिका E-4: रेत खदान के जनशक्ति विवरण.....	9
तालिका E-5: अध्ययन क्षेत्र के मौसम संबंधी आंकड़े (नासा पावर).....	10
तालिका E-6: पर्यावरण आधारभूत अध्ययन.....	11

## आंकड़े की सूची

चित्र E-1: परियोजना स्थल का स्थान मानचित्र.....	4
चित्र E-2: परियोजना स्थल का एल्यूएलसी वर्गीकरण (10 किमी त्रिज्या प्रस्तावित परियोजना क्षेत्र)। .....	13

## कार्यकारी सारांश

### 1.0 परिचय

प्रस्तावित परियोजना में नदी तल रेत का खनन शामिल है ( 2 लागू खदानों सहित क्लस्टर में कुल पट्टा क्षेत्र 24.99 हेक्टेयर नदी तल रेत है) ग्राम चरौदा, तहसील पलारी, जिला बलौदाबाजार-भाटापारा और ग्राम बल्दाकछार, तहसील कसडोल, जिला बलौदाबाजार-भाटापारा, राज्य छत्तीसगढ़। संपूर्ण पट्टे के विवरण पर आगे के अध्यायों में चर्चा की गई है। क्लस्टर के लीज धारक चरोदा रेत खदान के मालिक पंकज कुमार चंद्राकर हैं, जिनका लीज क्षेत्र 20.00 हेक्टेयर है। और बल्दाकछार रेत खदान के मालिक तरुण कुमार गिलहरे, जिनका पट्टा क्षेत्र 4.99 हेक्टेयर है। परियोजना प्रस्तावक के पक्ष में टीओआर जारी किया गया, जिसका विवरण इस प्रकार है-

**चरौदा रेत खदान** – पत्र क्र. 180/एस.ई.ए.सी.सी.जी./ रेत खदान /2723 नवा रायपुर अटल नगर, दिनांक 09/04/2024।

**बल्दाकछार रेत खदान** – टीओआर पहचान संख्या. TO23B0107CG5298548N, दिनांक 25/10/2024, फाइल नं. OL/TOR/MIN/BALODA\_BAZAR/2899,

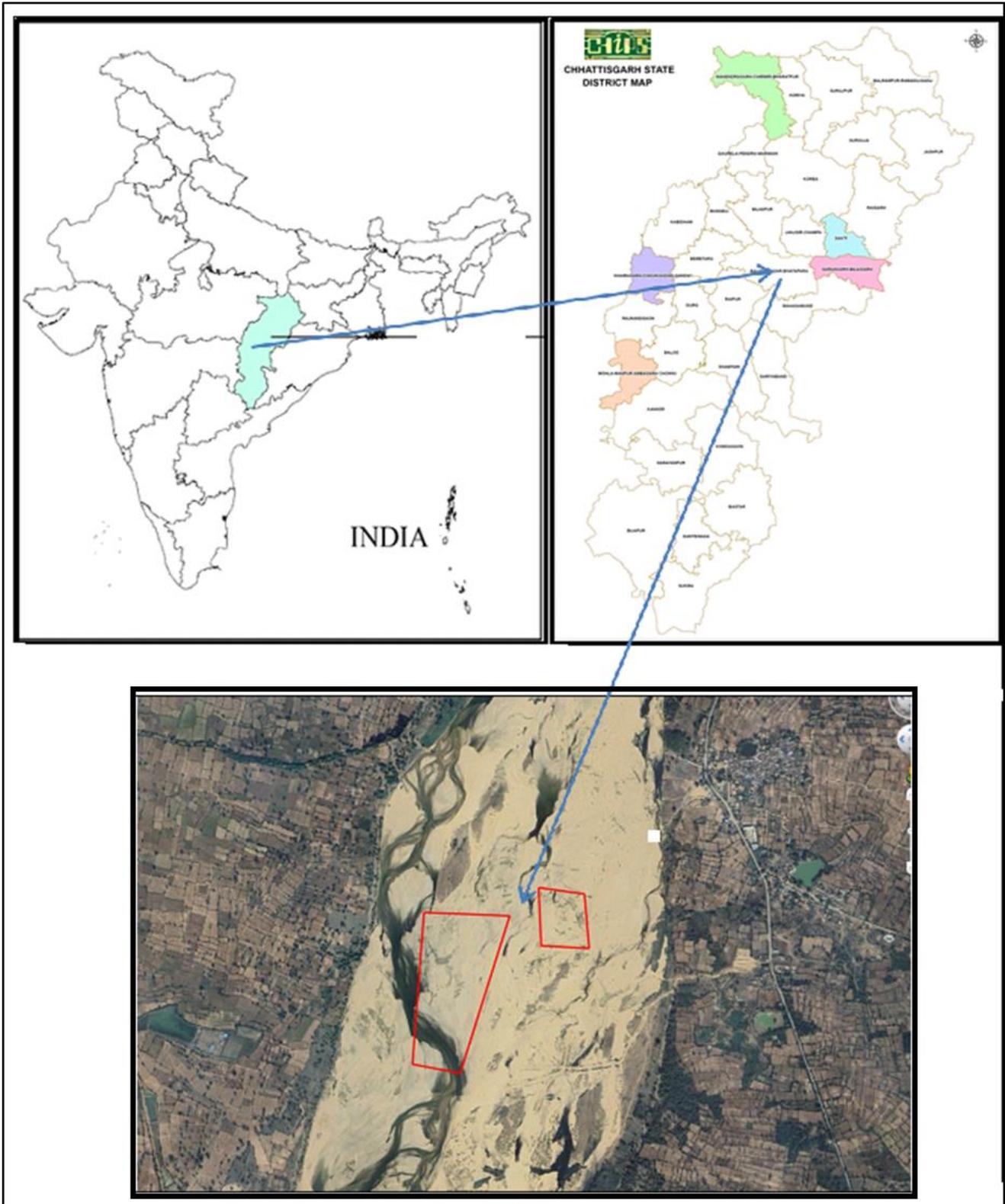
एमओईएफ अधिसूचना दिनांक 15.01.2016 के अनुसार परिशिष्ट – XI (6) एक क्लस्टर तब बनाया जाएगा जब एक सजातीय खनिज क्षेत्र में एक पट्टे की परिधि के बीच की दूरी अन्य पट्टे की परिधि से 500 मीटर से कम हो। प्रस्तावित नदी तल रेत खनन एक व्यक्तिगत खदान है।

उपरोक्त के अनुसार बी1 श्रेणी के अंतर्गत आने वाली खदानों की जानकारी जिनके स्वामित्व एवं पट्टे का विवरण इस प्रकार है।

### परियोजना स्थल

खसरा नं. 1290 (भाग), ग्राम चरौदा, तहसील पलारी एवं जिला बलौदाबाजार-भाटापारा, राज्य छत्तीसगढ़ के पट्टेदार पंकज कुमार चंद्राकर को सर्वे ऑफ इंडिया के टोपोशीट क्रमांक 64 K/3 में दर्शाया गया है।

खसरा नं. 230 (भाग) ग्राम बल्दाकछार, तहसील कसडोल और जिला बलौदाबाजार-भाटापारा, राज्य छत्तीसगढ़ के पट्टेधारक तरुण कुमार गिलहरे को सर्वे ऑफ इंडिया टोपोशीट नंबर 64 K/3 में दर्शाया गया है।



चित्र E-1 परियोजना स्थल का स्थान मानचित्र

ग्राम - चरोदा और बल्दाकछार, तहसील पलारी और कसडोल, जिला - बलौदाबाजार - भाटापारा, राज्य - छत्तीसगढ़ में महानदी नदी तल पर चरोदा और बल्दाकछार रेत खदान के लिए ड्राफ्ट ईआईए रिपोर्ट का कार्यकारी सारांश - पंकज कुमार चंद्राकर और तरुण कुमार गिलहरे।

**तालिका E.1 परियोजना स्थल के आसपास पर्यावरण सेटिंग**

विशेष	विवरण																	
परियोजना का नाम	चरौदा नदी तल रेत खदान		बल्दाकछार नदी तल रेत खदान															
परियोजना का स्थान	गांव – चरौदा, तहसील– पलारी जिला– बलौदाबाजार–भाटापारा, राज्य– छत्तीसगढ़		गांव –बल्दाकछार, तहसील– कसडोल जिला– बलौदाबाजार–भाटापारा, राज्य– छत्तीसगढ़															
भौगोलिक निर्देशांक			<table border="1"> <thead> <tr> <th>Pillars</th> <th>Latitude(N)</th> <th>Longitude(E)</th> </tr> </thead> <tbody> <tr> <td>B 1</td> <td>21°26'45.52"N</td> <td>82°14'20.72"E</td> </tr> <tr> <td>B 2</td> <td>21°26'45.15"N</td> <td>82°14'27.94"E</td> </tr> <tr> <td>B 3</td> <td>21°26'52.90"N</td> <td>82°14'27.24"E</td> </tr> <tr> <td>B 4</td> <td>21°26'53.79"N</td> <td>82°14'20.33"E</td> </tr> </tbody> </table>	Pillars	Latitude(N)	Longitude(E)	B 1	21°26'45.52"N	82°14'20.72"E	B 2	21°26'45.15"N	82°14'27.94"E	B 3	21°26'52.90"N	82°14'27.24"E	B 4	21°26'53.79"N	82°14'20.33"E
	Pillars	Latitude(N)	Longitude(E)															
	B 1	21°26'45.52"N	82°14'20.72"E															
	B 2	21°26'45.15"N	82°14'27.94"E															
	B 3	21°26'52.90"N	82°14'27.24"E															
	B 4	21°26'53.79"N	82°14'20.33"E															
	<b>Pillars</b>	<b>Latitude(N)</b>	<b>Longitude(E)</b>															
	N 1	21°26'28.65"N	82°14'1.37"E															
	N 2	21°26'50.26"N	82°14'3.11"E															
	N 3	21°26'49.78"N	82°14'16.00"E															
	N 4	21°26'27.36"N	82°14'8.55"E															
परियोजना का आकार	20.00 हेक्टेयर		4.99 हेक्टेयर															
निकटतम राजमार्ग	NH-130बी उत्तर पश्चिम की ओर 11.30 किमी पर (बलौदाबाजार – सारंगढ़ हाईवे रोड)		NH-130बी उत्तर पश्चिम की ओर 11.60 किमी पर ( बलौदाबाजार –सारंगढ़ हाईवे रोड)															
निकटतम रेलवे स्टेशन	बेलसोंदा – दक्षिण की ओर 37.90 किमी		भाटापारा – दक्षिण की ओर 38.55 किमी															
निकटतम हवाई अड्डा	स्वामी विवेकानंद हवाई अड्डा – रायपुर, 58.25 किमी, (उत्तर – पश्चिम ) की ओर		स्वामी विवेकानंद हवाई अड्डा – रायपुर, 58.95 किमी, (उत्तर – पश्चिम ) की ओर															
निकटतम शहर / शहर	पलारी – उत्तर– पश्चिम की ओर 12.00 कि.मी		पलारी – उत्तर– पश्चिम की ओर 12.00 कि.मी															
घनी आबादी वाला या निर्मित क्षेत्र	पलारी – उत्तर– पश्चिम की ओर 12.00 कि.मी		पलारी – उत्तर– पश्चिम की ओर 12.00 कि.मी															
जल निकाय	<ul style="list-style-type: none"> <li>जलाशय/बांध – दक्षिण –पूर्व की ओर 5.35 किमी</li> <li>सिंचाई नहर –पश्चिम की ओर 2.35 किमी</li> <li>एनीकट – उत्तर की ओर 6.00 किमी</li> <li>नाला– दक्षिण –पूर्व की ओर 2.40 किमी</li> <li>तालाब – गांव का तालाब 940 मी पश्चिम की ओर</li> </ul>		<ul style="list-style-type: none"> <li>जलाशय/बांध – दक्षिण की ओर 5.75 किमी</li> <li>सिंचाई नहर – उत्तर–पश्चिम की ओर 2.70 किमी</li> <li>एनीकट – उत्तर की ओर 5.75 किमी पर</li> <li>नाला– उत्तर पूर्व की ओर 2.30 किमी</li> <li>तालाब – गांव का तालाब 780 मी पूर्व की ओर</li> </ul>															
पुरातात्विक दृष्टि से महत्वपूर्ण स्थान	10 किमी के दायरे में कोई नहीं																	

ग्राम – चरौदा और बल्दाकछार, तहसील पलारी और कसडोल, जिला – बलौदाबाजार – भाटापारा, राज्य – छत्तीसगढ़ में महानदी नदी तल पर चरौदा और बल्दाकछार रेत खदान के लिए ड्राफ्ट ईआईए रिपोर्ट का कार्यकारी सारांश – पंकज कुमार चंद्राकर और तरुण कुमार गिलहरे।

विशेष	विवरण
वन्यजीव संरक्षण अधिनियम के अनुसार संरक्षित क्षेत्र (टाइगर रिजर्व, हाथी रिजर्व, बायोस्फीयर, राष्ट्रीय उद्यान, वन्यजीव अभयारण्य, सामुदायिक रिजर्व और संरक्षण रिजर्व)	10 किमी के दायरे में कोई नहीं
आरक्षित / संरक्षित वन	1. खमतराई – 7.00 किमी 2. सिरपुर – 10.00 किमी 3. रोहासी – 7.50 किमी 4. घिरघोल – 8.00 किमी
रक्षा प्रतिष्ठान	10 कि उत्तर मी के दायरे में कोई नहीं
सिस्मीसिटी	चूंकि परियोजना स्थल भूकंपीय क्षेत्र II के अंतर्गत आता है, जो आईएस: 1893 (भाग 1 2002) के अनुसार भूकंप के लिए सबसे कम सक्रिय क्षेत्र है।
वन्यजीव अभयारण्य	10 किमी के दायरे में कोई नहीं
राष्ट्रीय उद्यान	10 किमी के दायरे में कोई नहीं
बायोस्फीयर रिजर्व	10 किमी के दायरे में कोई नहीं
पक्षियों के महत्वपूर्ण प्रवास मार्ग	10 किमी के दायरे में कोई नहीं
रामसर स्थल (अंतर्राष्ट्रीय महत्व के आर्द्रभूमि)	10 किमी के दायरे में कोई नहीं
अद्वितीय या संकटग्रस्त पारिस्थितिकी तंत्र	10 किमी के दायरे में कोई नहीं
महत्वपूर्ण स्थलाकृतिक विशेषताएं, जिनमें लकीरें, नदी घाटियाँ, तटरेखाएँ और तटवर्ती क्षेत्र शामिल हैं	10 किमी के दायरे में कोई नहीं

ग्राम – चरोदा और बल्दाकछार, तहसील पलारी और कसडोल, जिला – बलौदाबाजार – भाटापासा, राज्य – छत्तीसगढ़ में महानदी नदी तल पर चरोदा और बल्दाकछार रेत खदान के लिए ड्राफ्ट ईआईए रिपोर्ट का कार्यकारी सारांश – पंकज कुमार चंद्राकर और तरुण कुमार गिलहरे।

विशेष	विवरण
मैंग्रोव्स	10 किमी के दायरे में कोई नहीं
शारीरिक संवेदनशील रिसेप्टस	10 किमी के दायरे में कोई नहीं
सीजीडब्ल्यूए द्वारा अधिसूचित भूजल क्षेत्र	10 किमी के दायरे में कोई नहीं
गंभीर रूप से पर्यावरण प्रदूषित क्षेत्र	10 किमी के दायरे में कोई नहीं
प्रदूषण के स्रोत	10 किमी के दायरे में कोई नहीं

## 2.0 परियोजना विवरण

प्रस्तावित परियोजना चरोदा और बल्दाकछार नदी रेत खदान की प्रस्तावित क्लस्टर कुल क्षेत्र 24.99 हेक्टेयर, ग्राम चरोदा और बल्दाकछार, तहसील – पलारी और कसडोल, जिला बलौदाबाजार-भाटापारा, राज्य छत्तीसगढ़ और ग्राम- बल्दाकछार, तहसील-कसडोल, जिला बलौदाबाजार-भाटापारा राज्य छत्तीसगढ़ में स्थित है। खनन की प्रस्तावित विधि ओपन कास्ट अर्ध यंत्रिकृत खनन है।

### तालिका E- 2 प्रस्तावित परियोजना की मुख्य विशेषताएं

विशेष	विवरण	
परियोजना का नाम	चरोदा नदी तल रेत खदान	बल्दाकछार नदी तल रेत खदान
गाँव	चरोदा	बल्दाकछार
तहसील	पलारी	कसडोल
जिला	बलौदाबाजार – भाटापारा	बलौदाबाजार-भाटापारा
राज्य	छत्तीसगढ़	छत्तीसगढ़
टोपोशीट नं.	64 के / 3	64 के / 3
लीज धारकों का नाम	पंकज कुमार चंद्राकर	तरुण कुमार गिलहरे
पट्टा धारक का पता और	पिता श्री भरत लाल चन्द्राकर	पिता श्री रेवाराम गिलहरे

ग्राम – चरोदा और बल्दाकछार, तहसील पलारी और कसडोल, जिला – बलौदाबाजार – भाटापारा, राज्य – छत्तीसगढ़ में महानदी नदी तल पर चरोदा और बल्दाकछार रेत खदान के लिए ड्राफ्ट ईआईए रिपोर्ट का कार्यकारी सारांश – पंकज कुमार चंद्राकर और तरुण कुमार गिलहरे।

विशेष	विवरण	
संपर्क विवरण	ग्राम- वार्ड नं. 01, कलाई चौक, नई मंडी, आरंग जिला-रायपुर, पिन कोड-493441	निवासी- सतनामी पारा, बिरकोनी वार्ड नं. 03, बिरकोनी, तहसील एवं जिला महासमुंद, पिन कोड-493445
खनन किये जाने वाले खनिज का नाम	नदी तल की रेत	नदी तल की रेत
भूमि का प्रकार	सरकारी नदी भूमि	सरकारी नदी भूमि
संचालन की स्थिति (नई परियोजना या मौजूदा परियोजना के बाद से परिचालन)	नई परियोजना	नई परियोजना
खनन क्षेत्र	20.00 हेक्टेयर	4.99 हेक्टेयर
खनन की अंतिम गहराई	3 मीटर	3 मीटर
खनन योग्य रिजर्व	3,60,000 घन मीटर	89,820 घन मीटर
उत्पादन क्षमता	3,60,000 घन मीटर / वर्ष	89,820 घन मीटर / वर्ष
खदान का जीवन	लागू नहीं है क्योंकि लागू क्षेत्र नदी तल की रेत खदान है जहां महानदी की पुनःपूर्ति क्षमता के माध्यम से मानसून के मौसम के दौरान खदान के गड्ढे को फिर से भर दिया जाता है।	
ऊपरी मिट्टी और ओवरबर्डन की मात्रा हटाए जाने का अनुमान है	शून्य. यह साधारण नदी तल की रेत है। वहां कोई ऊपरी मिट्टी या ओवरबर्डन नहीं है।	
भूजल तालिका की गहराई	ऊपरी सतह परत से 3.00 मीटर गहराई।	
खनन की विधि	ओपनकास्ट अर्ध-मशीनीकृत	
कार्य दिवसों की संख्या	240 दिन	
भूकंपीय क्षेत्र	भूकंपीय क्षेत्र - 2	

ग्राम - चरौदा और बल्दाकछार, तहसील पलारी और कसडोल, जिला - बलौदाबाजार - भाटापारा, राज्य - छत्तीसगढ़ में महानदी नदी तल पर चरौदा और बल्दाकछार रेत खदान के लिए ड्राफ्ट ईआईए रिपोर्ट का कार्यकारी सारांश - पंकज कुमार चंद्राकर और तरुण कुमार गिलहरे।

## 2.1 खनन पद्धति

खनन की विधि ओपन कास्ट अर्ध-मशीनीकृत है यानी तालाब के प्रभाव से बचने के लिए 1 मीटर गहराई की परतों में साधारण रेत की खुदाई की जाएगी और पहली परत की खुदाई के बाद यह प्रक्रिया अगली परत के लिए नदी तल में 3 मीटर की गहराई तक दोहराई जाएगी। लोडिंग के उद्देश्य से निर्देशानुसार उपयुक्त क्षेत्रों में रेत को छोटे-छोटे हिस्सों में इकट्ठा किया जाएगा। हल्की क्षमता और हल्के वजन वाले लोडर लगाकर लोडिंग कराई जाएगी।

## 2.2 पानी की आवश्यकता—

घरेलू, हरित पट्टी और छिडकाव उद्देश्य के लिए कुल पानी की आवश्यकता 15.50 केएलडी होगी, जो नदी चैनल से या नजदीकी गांव के पानी के टैंकरों से प्राप्त की जाएगी। पानी की आवश्यकता का विवरण नीचे दिया गया है:—

**तलिका E3 : पानी की आवश्यकता का विवरण**

क्रमांक	उपयोग	पानी की आवश्यकता	
1.	ग्रीनबेल्ट विकास @1.5 लीटर/पेड़	4000 पेड़ X 1.5 लीटर /दिन = 6,000 लीटर/दिन	6.00 केएलडी
2.	धूल दमन @ 0.5 लीटर/वर्गमीटर (दिन में दो बार)	हॉल रोड क्षेत्र = (500 मीटर लंबाई X 4 मीटर चौड़ाई = 2000 वर्गमीटर।) X 0.5 ली/वर्गमीटर = 1000 लीटर/दिन X 2 समय = 2000 लीटर/दिन	2.00 केएलडी
3.	घरेलू उद्देश्य @35लीटर/कर्मचारी	24 श्रमिक X 35 लीटर प्रति दिन = 840 लीटर/दिन	1.00 केएलडी
<b>कुल ::</b>			<b>9.00 केएलडी</b>

**तलिका E4 : पानी की आवश्यकता का विवरण**

क्रमांक	उपयोग	पानी की आवश्यकता	
1.	ग्रीनबेल्ट विकास @1.5 लीटर/पेड़	1000 पेड़ X 1.5 लीटर /दिन = 1500 लीटर/दिन	1.50 केएलडी
2.	धूल दमन @ 0.5 लीटर/वर्गमीटर (दिन में दो बार)	हॉल रोड क्षेत्र = (1000 मीटर लंबाई X 4 मीटर चौड़ाई = 2000 वर्गमीटर।) X 0.5 ली/वर्गमीटर = 2000 लीटर/दिन X 2 समय =	4.00 केएलडी

ग्राम - चरौदा और बल्दाकछार, तहसील पलारी और कसडोल, जिला - बलौदाबाजार - भाटापास, राज्य - छत्तीसगढ़ में महानदी नदी तल पर चरौदा और बल्दाकछार रेत खदान के लिए ड्राफ्ट ईआईए रिपोर्ट का कार्यकारी सारांश - पंकज कुमार चंद्राकर और तरुण कुमार गिलहरे।

क्रमांक	उपयोग	पानी की आवश्यकता	
		4000 लीटर/दिन	
3.	घरेलू उद्देश्य @35लीटर/कर्मचारी	21 श्रमिक X 35 लीटर प्रति दिन = 735 लीटर/दिन	1.00 केएलडी
<b>कुल ::</b>			<b>6.50 केएलडी</b>

### 2.3 पावर आवश्यकता

प्रस्तावित परियोजना के संचालन चरण में बिजली की आवश्यकता नहीं है, क्योंकि डीजल उपकरणों का उपयोग किया जाएगा। उत्खनन के लिए ओपन कास्ट अर्ध यंत्रिकृत विधि का उपयोग किया जाएगा। परियोजना के लिए बिजली की कोई आवश्यकता नहीं है क्योंकि खुदाई करने वाली मशीनें डीजल पर चलेंगी और खुदाई केवल दिन के समय की जाएगी।

### 2.4 जनशक्ति की आवश्यकता

खनन परियोजना प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार पैदा करेगी। प्रति दिन लगभग 45 लोगों को प्रत्यक्ष रोजगार मिलेगा, और कुछ व्यक्ति अप्रत्यक्ष रूप से भी प्रभावित होंगे और परिवहन, रखरखाव आदि जैसे संबद्ध और संबंधित उद्योगों में कार्यरत होंगे। निम्नलिखित कर्मचारियों और श्रमिकों को नियोजित करने का प्रस्ताव है –

**तालिका E.5: रेत खदान के जनशक्ति विवरण**

क्रमांक	वर्ग	चरोदा मे व्यक्तियों की संख्या	बल्दाकछार मे व्यक्तियों की संख्या
1	सहायक प्रबंधक	1	1
2	पंचों का सरदार	1	1
3	पर्यवेक्षक कर्मचारी	1	1
4	पर्यवेक्षक सह प्रथम एल्डर (कुशल)	2	2
5	अर्ध-कुशल, कुशल श्रमिक	2	2
6	अकुशल कार्मिक	2	2
7	ड्राइवर और मशीन ऑपरेटर	15	12
<b>कुल</b>		<b>24</b>	<b>21</b>

### 3.0 पर्यावरण का विवरण

प्रस्तावित खनन स्थल के आसपास के क्षेत्र का भौतिक विशेषताओं और मौजूदा पर्यावरणीय परिदृश्य के लिए सर्वेक्षण किया गया है। क्षेत्र सर्वेक्षण और आधारभूत निगरानी 19 अक्टूबर 2023 और 19 जनवरी 2024 (मानसून के बाद) की अवधि से की गई है।

मानसून के बाद के मौसम (19 अक्टूबर 2023 और 19 जनवरी 2024) के लिए टिप्पणियों का सारांश नीचे दिया गया है:-

#### 3.1 अंतरिक्ष-विज्ञान

अध्ययन अवधि का द्वितीयक मौसम संबंधी आंकड़े (<https://www.nasa.gov.in/>). माहवार मौसम संबंधी आंकड़े तालिका ई-6 में दिए गए हैं।

तालिका E -6: अध्ययन क्षेत्र के मौसम संबंधी आंकड़े (नासा पावर)

Period	Wind Speed (m/s)			Temp (°C)			Relative Humidity (%)			Rainfall (mm)			Solar Radiation		
	Max	Min	Avg	Max	Min	Avg	Max	Min	Avg	Max	Min	Avg	Max	Min	Avg
Oct - 23	4.28	0.08	1.95	28.48	14.24	21.26	100	53.25	77.07	0.0	0	0.0	856.7	0	226.38
Nov - 23	3.49	0.14	1.74	28.40	12.21	20.24	100	51.94	82.81	0.71	0	0.01	769.85	0	181.94
Dec - 23	4.29	0.13	1.98	26.93	10.13	17.89	100	44.62	80.96	1.92	0	0.04	725.95	0	169.49
Jan - 24	3.91	0.41	2.23	26.35	7.83	16.82	100	44.44	77.98	0.01	0	4.3	762.23	0	155.38

स्रोत: 19 अक्टूबर 2023-19 जनवरी 2024 के लिए मौसम का सारांश (<https://www.nasa.gov.in/>)

#### 3.2 वायु पर्यावरण

परियोजना स्थल और उसके आसपास 10 स्थानों पर परिवेशी वायु गुणवत्ता की जांच की जाती है और सीपीसीबी मानकों के अनुसार अध्ययन किया जाता है। यह देखा गया है कि, सभी मान राष्ट्रीय परिवेश वायु गुणवत्ता मानक (NAAQS), 2009 के अनुसार निर्धारित सीमा के भीतर हैं।

मानसून के बाद के मौसम (19 अक्टूबर 2023 और 19 जनवरी 2024) के लिए टिप्पणियों का सारांश नीचे दिया गया है।

#### 3.3 शोर पर्यावरण

अध्ययन क्षेत्र के भीतर परियोजना सहित आठ स्थानों में शोर के स्तर की निगरानी की गई। दिन के समय शोर का स्तर 52.1 से 63.0 डीबी (ए) के बीच और रात के समय शोर का स्तर

43.2 से 54.4 डीबी (ए) के बीच था। सभी निगरानी किए गए ध्वनि स्तर सीपीसीबी द्वारा निर्धारित मानकों के भीतर पाए गए हैं।

### 3.4 जल पर्यावरण

आधारभूत जल गुणवत्ता स्थापित करने के लिए, अध्ययन क्षेत्र में 5 भूजल और 5 सतही जल के नमूने एकत्र किए गए और उनका विश्लेषण किया गया। सतही जल के नमूनों की गुणवत्ता की तुलना सतही जल विनिर्देश आईएस 2296:1982 से की गई और सतही जल की गुणवत्ता कक्षा डी (वन्यजीव और मत्स्य पालन का प्रसार) के अंतर्गत आती है। भूजल नमूनों की तुलना पेयजल विशिष्टता आईएस 10500:2012 मानकों से की गई।

### 3.5 मिट्टी की गुणवत्ता

परियोजना स्थल और उसके आसपास कुल 10 नमूने एकत्र किए गए और उनका विश्लेषण किया गया। यह देखा गया है कि मिट्टी की गुणवत्ता का पीएच 7.1 (S5 & S10) से 7.7 (S9) के बीच है, जो दर्शाता है कि मिट्टी थोड़ी क्षारीय प्रकृति की है।

तालिका E –6: पर्यावरण आधारभूत अध्ययन

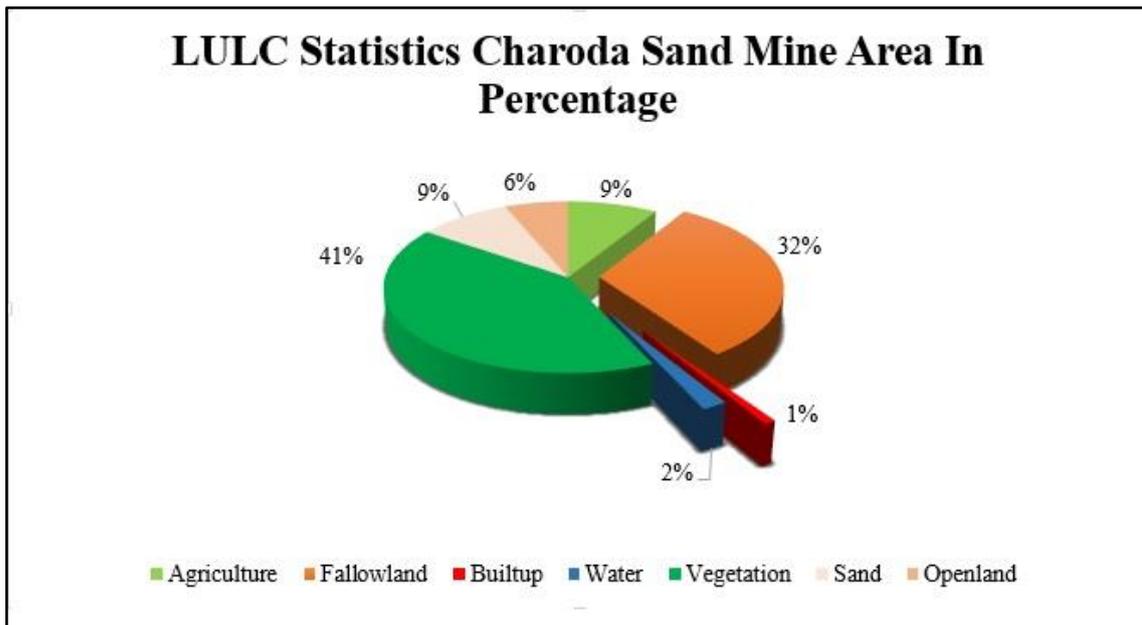
विशिष्ट	स्थानों की संख्या	विवरण
पृष्ठभूमि परिवेशी वायु गुणवत्ता निगरानी	10 जगहों पर सैपलिंग की गई	PM <sub>10</sub> :-44 to 67 µg/m <sup>3</sup> PM <sub>2.5</sub> :-16 to 36 µg/ m <sup>3</sup> SO <sub>2</sub> :- 5 µg/ m <sup>3</sup> to 14µg/ m <sup>3</sup> NOx:- 8 to 27 µg/ m <sup>3</sup> CO:-0.4 to 1.5 mg/ m <sup>3</sup> SiO <sub>2</sub> -0.01 to 0.05 µg/ m <sup>3</sup>
शोर स्तर की निगरानी	10 स्थानों पर निगरानी की गई	Noise Level During Day Time :- 52.1 to 63.0 dB (A) Noise Level During Night Time:- 43.2 to 54.4 dB (A)
पानी का नमूना	5 स्थानों पर भूजल के नमूने लिए गए	pH :- 7.1 to 7.8 ; TDS :- 388 to 498 mg/l ; Total Hardness :- 232 to 284 mg/l SO <sub>4</sub> :- 45 mg/l to 68 mg/l; Chloride :- 55 mg/l to 91 mg/l; Zn & Fe: - Below detectable limit.
	सैपलिंग:- 5 सतही जल पर	pH :- 7.3 to 7.6 ; TDS :- 214 mg/l to 542 mg/l; Dissolve oxygen: - 5.4 to 6.00 mg/l. Chloride :- 40 mg/l to 116 mg/l; Calcium :- 26 mg/l to 63 mg/l; Magnesium :- 14 mg/l to 35 mg/l; Total Hardness :- 124 to 302 mg/l ;

ग्राम – चरौदा और बल्दाकछार, तहसील पलारी और कसडोल, जिला – बलौदाबाजार – भाटापारा, राज्य – छत्तीसगढ़ में महानदी नदी तल पर चरौदा और बल्दाकछार रेत खदान के लिए ड्राफ्ट ईआईए रिपोर्ट का कार्यकारी सारांश – पंकज कुमार चंद्राकर और तरुण कुमार गिलहरे।

<p><b>मृदा नमूनाकरण</b></p>	<p>10 जगहों पर सैंपलिंग की गई</p>	<p>pH :- 7.1 to 7.7 Nitrogen:- 175 to 185 kg/ha. Phosphorus:- 52 to 85 kg/ha Potassium :- 299 to 392 kg/ha Electric Conductivity:- 305 to 435 ms/cm</p>
-----------------------------	---------------------------------------	---

### अध्ययन क्षेत्र का भूमि उपयोग/भूमि आच्छादन

प्रस्तावित खनन पट्टा क्षेत्र छत्तीसगढ़ राज्य के पलारी तहसील के चरोदा गांव और कसडोल तहसील के बल्दाकछार गांव, जिला बलौदाबाजार-भाटापारा में स्थित है। चरोदा एवं बलदाकछार नदी तल रेत खदान, नदी तल रेत खदान मालिक पंकज कुमार चंद्राकर एवं तरुण कुमार गिलहरे का स्थान सर्वे ऑफ इंडिया टोपोशीट नंबर 64 के/3 में स्थित है। खनन क्षेत्र नदी तल सरकारी भूमि है। चरोदा और बलदाकछार नदी तल रेत खदान जिला कार्यालय बलौदाबाजार से लगभग 24.50 किमी और 30 किमी की दूरी पर और राज्य की राजधानी रायपुर से 65 किमी की दूरी पर स्थित है। निकटतम बस स्टैंड चरोदा और बल्दाकछार बस स्टॉप लगभग 1.25 किमी दक्षिण पूर्व और 1.50 किमी पश्चिम दूरी पर स्थित है, जबकि निकटतम रेलवे स्टेशन बेलसोंधा लगभग 37.90 किमी और भाटापारा लगभग 42.00 किमी पट्टा क्षेत्र से उत्तर में स्थित है। **चित्र 2:** LULC मानचित्र से पता चलता है, कि विश्लेषण में 8 क्षेत्रीय वर्ग शामिल है। कृषि, परती भूमि, निर्माण, जल, वनस्पति, रेत, खुली भूमि। चरोदा और बल्दाकछार गांव का कुल भूमि क्षेत्रफल 33,384 हेक्टेयर है। चरोदा और बल्दाकछार की कुल आबादी 75,380 है, जिनमें से 37,603 पुरुष और 37,777 महिलाएं हैं। अध्ययन क्षेत्र में सबसे अधिक जनसंख्या रोहासी शहर (5249) में है। चरोदा और बल्दाकछार गाँव में साक्षरता दर 59.8 %, है, जिसमें 58.7 %, पुरुष और 41.3 %, महिलाएँ साक्षर हैं।



**चित्र 2: परियोजना स्थल का एल्यूएलसी वर्गीकरण (10 किमी त्रिज्या प्रस्तावित परियोजना क्षेत्र)।**

ग्राम – चरोदा और बल्दाकछार, तहसील पलारी और कसडोल, जिला – बलौदाबाजार – भाटापारा, राज्य – छत्तीसगढ़ में महानदी नदी तल पर चरोदा और बल्दाकछार रेत खदान के लिए ड्राफ्ट ईआईए रिपोर्ट का कार्यकारी सारांश – पंकज कुमार चंद्राकर और तरुण कुमार गिलहरे।

### 3.6 जैविक पर्यावरण

आधारभूत जानकारी उत्पन्न करने के लिए वनस्पतियों और जीवों की मौजूदा स्थिति को समझने के लिए परियोजना स्थल के 10 किमी के दायरे में क्षेत्र का पारिस्थितिक अध्ययन किया गया है। परियोजना स्थल के आसपास के 10 किमी के भीतर निम्नलिखित पीएफ का अवलोकन किया जा रहा है

### 3.7 सामाजिक-आर्थिक वातावरण

हालाँकि अध्ययन क्षेत्र (परियोजना स्थान से 10 किमी का दायरा) को द्वितीयक डेटा (जनसंख्या जनगणना 2011) के आधार पर विभाजित किया गया है, अध्ययन क्षेत्र की कुल जनसंख्या 15,256 घरों में 75,380 है।

जहां तक जनसंख्या में पुरुषों और महिलाओं की हिस्सेदारी का सवाल है, अध्ययन क्षेत्र में पुरुष और महिलाओं की आबादी में हिस्सेदारी लगभग बराबर है। अध्ययन क्षेत्र में कुल महिला जनसंख्या 37,777 है जो पुरुष जनसंख्या 37,603 से थोड़ी अधिक है।

### 4.0 प्रत्याशित पर्यावरण प्रभाव और पर्यावरण प्रबंधन योजना

#### भूमि/मृदा पर्यावरण प्रभाव शमन:

भूमि पर्यावरण के शमन उपाय में शामिल हैं:

- पट्टा क्षेत्र से निकाली गई नदी तल रेत पूरी तरह से बिक्री योग्य होगी, जिसके परिणामस्वरूप पट्टा क्षेत्र में कोई डंप नहीं होगा।
- अर्ध यंत्रीकृत खनन कार्य के कारण नदी तल की रेत खदानों से उत्सर्जन नगण्य है, जिससे क्षेत्र की आसपास की मिट्टी की गुणवत्ता और फसल पैटर्न पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा।
- प्रस्तावित परियोजना भूकंपीय क्षेत्र-८ (कम खतरा जोखिम क्षेत्र) के अंतर्गत आती है। चूंकि इस परियोजना में निर्माण के लिए कोई भौतिक बुनियादी ढांचा नहीं होगा, इसलिए इस परियोजना में भूकंपीयता का कोई प्रभाव परिकल्पित नहीं है। इसके अलावा, यह परियोजना क्षेत्र के भूकंपीय व्यवहार में कोई परिवर्तन/परिवर्तन नहीं करेगी।

#### वायु प्रभाव शमन

वायु प्रदूषण के नियंत्रण के लिए खदान में किए गए शमन उपाय हैं:

- भारतीय उत्सर्जन मानकों का अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए वाहनों और मशीनरी की जांच करना। सीपीसीबी द्वारा स्थापित सीमाओं के भीतर एनओएक्स और एसओएक्स के उत्सर्जन को बनाए रखने के लिए वायु प्रदूषकों के उत्सर्जन को नियंत्रित करने के लिए

ग्राम - चरौदा और बल्दाकछार, तहसील पलारी और कसडोल, जिला - बलौदाबाजार - भाटापास, राज्य - छत्तीसगढ़ में महानदी नदी तल पर चरौदा और बल्दाकछार रेत खदान के लिए ड्राफ्ट ईआईए रिपोर्ट का कार्यकारी सारांश - पंकज कुमार चंद्राकर और तरुण कुमार गिलहरे।

परिवहन वाहनों और मशीनरी का उचित और समय पर रखरखाव और नियमित रूप से सेवा की जानी चाहिए।

- धूल दमन के उद्देश्य से नदी तल की रेत खदानों के लिए कुल 15.50 केएलडी पानी की आवश्यकता है जिसके लिए 1 नं. 4000 लीटर क्षमता वाले पानी के टैंकर को किराए पर लिया जाएगा और प्रत्येक पट्टे की सड़कों, डंपिंग साइट, लोडिंग और अनलोडिंग साइट पर दिन में दो बार पानी छिड़कने के लिए उपयोग किया जाएगा और लीज प्रबंधन द्वारा इसकी नियमित निगरानी की जाएगी। परिवहन सड़क के किनारे, स्टॉक यार्ड (यदि कोई हो) आदि पर पानी का छिड़काव ट्रैक्टर पर लगे पानी के छिड़काव से किया जाएगा।
- ढीली सामग्री के संचय को साफ करने के लिए ढुलाई सड़कों की नियमित रूप से मरम्मत और ग्रेडिंग की जाएगी
- सभी खदान कर्मियों को डस्ट मास्क प्रदान किए जाएंगे।
- पेड कुशल जैविक फिल्टर के रूप में कार्य कर सकते हैं। चूंकि यह एक छोटा पट्टा है, इसलिए वृक्षारोपण के लिए उपलब्ध क्षेत्र बहुत कम है। हालाँकि, पट्टा सीमा के भीतर धूल प्रदूषण को रोकने के लिए खनन क्षेत्र के लिए एक सुनियोजित वृक्षारोपण कार्यक्रम प्रस्तावित किया गया है। नदी के किनारे और क्लस्टर को जोड़ने वाली सड़क के दोनों किनारों पर निरंतर वृक्षारोपण का प्रस्ताव है।
- निकास उत्सर्जन से बचने के लिए खनिजों के परिवहन के लिए वैध पीयूसी वाले वाहनों का उपयोग किया जाएगा।
- स्थानीय प्रजातियों को लेकर ग्रीनबेल्ट विकास योजना तैयार की जाती है। ग्रीनबेल्ट से धूल का स्तर कम होगा।
- इस ईआईए रिपोर्ट के अध्याय 6 में विस्तृत निगरानी योजना के अनुसार वायु गुणवत्ता की नियमित निगरानी, ऑपरेशन चरण के दौरान अपनाई जाएगी, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि वायु गुणवत्ता सीपीसीबी द्वारा निर्धारित वांछित सीमा के भीतर है।

### शोर प्रभाव शमन

- रात्रि के समय कोई ध्वनि प्रदूषणकारी कार्य नहीं किया जाएगा।
- श्रमिकों के लिए पीपीई का प्रावधान।
- वाहनों की नियमित रूप से सर्विसिंग की जानी चाहिए और उनसे शोर या कंपन के किसी भी अवांछित उत्पादन से बचने के लिए ठीक से रखरखाव किया जाना चाहिए।

- ग्रीन बेल्ट वृक्षारोपण और बगीचे के पेड़ शोर, यातायात संबंधी प्रदूषण और ताप द्वीप प्रभावों को कम करने में मदद करेंगे।
- संचालन चरण के दौरान शोर को कम करने के लिए उचित लुब्रिकेशन, मफलिंग और उपकरणों के आधुनिकीकरण का उपयोग किया जाएगा।
- इस ईआईए रिपोर्ट के अध्याय 6 में विस्तृत निगरानी योजना के अनुसार शोर के स्तर की नियमित निगरानी ऑपरेशन चरण के दौरान अपनाई जाएगी, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि शोर का स्तर सीपीसीबी द्वारा निर्धारित सीमा के भीतर है।

### जल प्रभाव शमन

- श्रमिकों के लिए अस्थायी शौचालयों की व्यवस्था।
- घरेलू अपशिष्ट जल को सेप्टिक टैंक में उपचारित किया जाएगा और इसके बाद प्रस्तावित क्लस्टर परियोजना के बाहर एक सुरक्षित दूरी पर सोक पिट बनाया जाएगा और किसी भी अपशिष्ट जल को जल निकाय में प्रवाहित करने की अनुमति नहीं दी जाएगी।
- लीज होल्ड के भीतर ढीले मलबे वाले किसी भी क्षेत्र में पौधारोपण किया जाना चाहिए।
- खनन गतिविधि के दौरान भू-जल स्तर नहीं कटेगा।

### जैविक प्रभाव शमन

- नदी तट, परिवहन सड़कों के साथ-साथ हरित पट्टी विकसित की जाएगी और अच्छे क्षेत्र में वृक्षारोपण किया जाएगा।
- प्रस्तावित हरित पट्टी का कुल क्षेत्रफल खनन पट्टे और आसपास के क्षेत्र का लगभग 20% होगा।
- वन विभाग के परामर्श से स्थानीय प्रजातियाँ लगाई जाएंगी।

### सामाजिक-आर्थिक पर्यावरण प्रभाव शमन

- खनन कार्य के लिए स्थानीय लोगों को रोजगार देना।
- निर्माण श्रमिकों के लिए अस्थायी शौचालय जैसी स्वच्छता की उचित सुविधाएं प्रदान करना।
- निर्माण श्रमिकों को बैरिकेड्स, बाड़ और आवश्यक कार्मिक सुरक्षा उपकरण प्रदान किए जाएंगे।

- सामान्य बीमारी के लिए श्रमिकों के स्वास्थ्य की जाँच की जाएगी; स्थानीय कानूनों और विनियमों के अनुसार, आवधिक अंतराल पर।

## 5.0 पर्यावरण निगरानी कार्यक्रम

पोस्ट अवधि में पर्यावरणीय स्वास्थ्य का आकलन करने के लिए स्थानों पर पर्यावरणीय निगरानी की जाएगी। अध्ययन के बाद निगरानी कार्यक्रम महत्वपूर्ण है क्योंकि यह निम्नलिखित पहलुओं पर उपयोगी जानकारी प्रदान करता है। यह इस अध्ययन में प्रस्तुत पर्यावरणीय प्रभावों पर भविष्यवाणियों को सत्यापित करने में मदद करता है।

- यह इस अध्ययन में प्रस्तुत पर्यावरणीय प्रभावों पर भविष्यवाणियों को सत्यापित करने में मदद करता है।
- यह किसी भी खतरनाक पर्यावरणीय स्थिति के विकास की चेतावनी को इंगित करने में मदद करता है, और इस प्रकार, पहले से ही उचित नियंत्रण उपायों को अपनाने के अवसर प्रदान करता है।

संचालन चरण के दौरान विस्तृत ईएमपी योजना ईआईए रिपोर्ट के अध्याय 6 में दी गई है।

## 6.0 जोखिम मूल्यांकन

प्रस्तावित नदी तल रेत खनन परियोजना के संचालन चरण के दौरान खतरे और उसके जोखिम का आकलन निम्न, मध्यम और उच्च है। परियोजना समर्थकों को दोनों परियोजना स्थलों पर होने वाले अपेक्षित जोखिम के प्रभाव या परिणामों को रोकने के लिए सभी शमन उपायों को लागू करने का प्रस्ताव दिया गया है। पहचाने गए सभी खतरों में शमन उपायों को लागू करने के बाद प्रभाव का स्तर निम्नमध्यम होगा।

## 7.0 आपातकालीन प्रतिक्रिया और आपदा प्रबंधन योजना

तैयारी, शमन और घटना के बाद पुनर्वास कार्यों के प्रयासों के माध्यम से आपदा के प्रभाव को काफी कम किया जा सकता है। प्रस्तावित परियोजना में खतरे की पहचान के आधार पर, एक आपातकालीन योजना तैयार की गई है और क्षति को कम करने के लिए जिला अधिकारियों के समन्वय के साथ परियोजना कार्यान्वयन एजेंसी द्वारा उसी योजना को लागू किया जाएगा। जोखिम मूल्यांकन और आपदा प्रबंधन योजना ईआईए रिपोर्ट के अध्याय 7 में विस्तृत है।

## 8.0 परियोजना लाभ

खनन देश के बुनियादी ढांचे के विकास की रीढ़ है। प्रस्तावित परियोजना के निम्नलिखित लाभ हैं:

ग्राम – चरौदा और बल्दाकछार, तहसील पलारी और कसडोल, जिला – बलौदाबाजार – भाटापारा, राज्य – छत्तीसगढ़ में महानदी नदी तल पर चरौदा और बल्दाकछार रेत खदान के लिए ड्राफ्ट ईआईए रिपोर्ट का कार्यकारी सारांश – पंकज कुमार चंद्राकर और तरुण कुमार गिलहरे।

- स्थानीय लोगों के लिए रोजगार
- उत्पाद शुल्क, जीएसटी, करों, लेवी आदि के रूप में राज्य सरकार के लिए राजस्व।
- लोगों के लिए व्यवसाय के अवसर पैदा करें
- गांवों में लोगों के कल्याण के लिए आवश्यकता आधारित धन का उपयोग किया जाएगा।
- ईएमपी फंड से पर्यावरण की गुणवत्ता में सुधार होगा।
- नदी तल रेत खनन परियोजना के संचालन से आवश्यकता आधारित गतिविधि के लिए आवंटित अलग निधि के माध्यम से गांवों में लोगों की सामाजिक-आर्थिक स्थिति में सुधार करने में मदद मिलेगी।

## 9.0 सामाजिक विकास के लिए बजट

परियोजना की कुल अनुमानित लागत 131.86 लाख है। गांव में पेयजल, स्वच्छता, शिक्षा, स्वास्थ्य संबंधी आवश्यकता आधारित गतिविधियों के लिए 2,72,000/- लाख रुपये आवंटित किए जाएंगे।

## 10.0 पर्यावरण प्रबंधन योजना (ईएमपी)

विस्तृत पर्यावरण प्रबंधन योजना खनन गतिविधियों और गतिविधियों द्वारा भूमि/मिट्टी, वायु, शोर, पानी पर पड़ने वाले प्रभावों के आधार पर तैयार की गई है। ईएमपी और पर्यावरण संरक्षण उपायों की लागत ईआईए रिपोर्ट के अध्याय 10 में विस्तृत है।

### पर्यावरण संरक्षण गतिविधियों के लिए प्रस्तावित व्यय:

क्र	विवरण	चरौदा रेत खदान		बल्दाकछार रेत खदान	
		पूँजीगत लागत रुपये में	आवर्ती लागत रुपये में	पूँजीगत लागत रुपये में	आवर्ती लागत रुपये में
1	वायु प्रदूषण नियंत्रण	—	1,44,000	—	72,000
2	नदी तट रोपनी परियोजना (हरित पट्टी विकास)	5,23,700	5,84,000	1,59,125	2,57,000
3	सड़क का रखरखाव	—	40,000	—	40,000
4	खान श्रमिकों के लिए सुविधाएं	50,000	1,08,000	50,000	94,500
	कूल रु	5,73,700	8,76,000	2,09,125	4,63,500
	कुल पूँजी लागत रुपये में			7,82,825	
	कुल आवर्ती लागत रुपये में			13,39,500	
	ईएमपी की कुल लागत रुपये में			21,22,325	

ग्राम – चरौदा और बल्दाकछार, तहसील पलारी और कसडोल, जिला – बलौदाबाजार – भाटापारा, राज्य – छत्तीसगढ़ में महानदी नदी तल पर चरौदा और बल्दाकछार रेत खदान के लिए ड्राफ्ट ईआईए रिपोर्ट का कार्यकारी सारांश – पंकज कुमार चंद्राकर और तरुण कुमार गिलहरे।

## 11.0 निष्कर्ष

जैसा कि चर्चा की गई है, यह कहना सुरक्षित है कि प्रस्तावित पट्टा क्षेत्र से लघु खनिजों के संग्रहण से क्षेत्र की पारिस्थितिकी पर कोई महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ने की संभावना नहीं है क्योंकि खनिज और उत्पन्न अपशिष्ट गैर विषैले होते हैं और आसपास के वातावरण को नुकसान नहीं पहुंचाते हैं पर्यावरण।

खनन कार्य के दौरान उत्पन्न होने वाले क्षणिक उत्सर्जन को नियंत्रित करने के लिए पर्याप्त उपाय किए जाएंगे। स्थानीय आबादी की भागीदारी और बुनियादी सुविधाओं में सुधार के कारण लंबे समय में आसपास के गांवों की सामाजिक-आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। वैधानिक सीमा, संपर्क सड़कों, स्कूलों में हरित पट्टी का विकास स्थानीय लोगों की भागीदारी से प्रस्तावित है। क्षेत्र में इस प्रस्तावित वृक्षारोपण से इलाके की पारिस्थितिकी और पर्यावरण में सुधार के साथ-साथ सौंदर्य स्वरूप में भी सुधार होगा।